सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 252 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 19 अक्टूबर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

पंखुड़ियां तोड़ कर आप फूल की खूबसूरती नहीं इकट्ठा कर सकते।
-रविन्द्रनाथ टैगोर

विश्वकप: कीवी टीम ने लगाया जीत... 7 | चुनाव आते ही नेता जी के बिगड़े... 3 | 2024 में कांग्रेस सरकार बनना... 2

चुनावी प्रचार में एक-दूसरे पर वार-पलटवार शुरू

इस बार प्रजा व राजा के बीच होगी सत्ता की लड़ाई : राहुल

» कांग्रेस का भाजपा व मोदी सरकार पर जोरदार हमला

» सांसद बोले- जातिगत जनगणना से सामाजिक स्तर पता चलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार अभियान जोर पकड़ने लगा है। राज्यों के सत्तापक्ष पार्टियों पर वहां की विपक्षी दल जोरदार हमले करने लग गए हैं। इसी क्रम में राहुल गांधी तेलंगाना दौरे पर हैं। आज उन्होंने तेलंगाना के भुपालपल्ली इलाके में विजयभेरी यात्रा निकाली। वहीं छत्तीसगढ़ में भाजपा नेता अमित शाह दौरे पर हैं। उन्होंने वहा की बघेल सरकार को घेरा हैं। राहुल नेकहा इसबार राजा व प्रजा के बीच सत्ता की लड़ाई होगी।

तेलंगाना में जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने बीआरएस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इस दौरान जातीय सर्वे की मांग भी दोहराई और आरोप लगाया कि भाजपा और बीआरएस सरकार इस पर चुप्पी साधे हुए हैं। वहीं बीआरएस की तरफ से उनकी पार्टी की एमएलसी के कविता ने राहुल गांधी पर पलटवार किया।

पूरे राज्य का नियंत्रण एक परिवार के पास : राहुल

राहुल गांधी ने कहा कि जातीय सर्वे देश के लिए एक एक्स-रे की तरह काम करेगा। जब मैं जातीय सर्वे की बात करता हूं तो ना तो पीएम और ना ही तेलंगाना सीएम इस पर कुछ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा अगला चुनाव राजा व प्रजा के बी लड़ा जाएगा। तेलंगाना राज्य का पूरा कंट्रोल एक परिवार के हाथ में है और देश में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार इसी राज्य में है। भाजपा-बीआरएस और एआईएमआईएम जैसी पार्टियां कांग्रेस पर हमला कर रही हैं। राहुल गांधी ने बीआरएस सरकार पर हमला बोला और कहा कि राज्य में पूरा नियंत्रण एक परिवार के हाथ में है और देश में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार तेलंगाना में है। यात्रा के समापन के बाद राहुल ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- दुकानदारों की जेब से जीएसटी निकलती है और अडानी जी की जेब में चली जाती है। ऐसा हिंदुस्तान हमें नहीं चाहिए। इसलिए जातिगत जनगणना जरूरी है, उससे पता लगेगा कि किसकी कितनी आबादी है और किसके पास हिंदुस्तान का कितना धन है।

हमास से कम नहीं बीजेपी : संजय राउत

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की प्रतिक्रिया के बाद एमवीए नेताओं ने उन्हें घेरने की योजना बना ली है। सीएम सरमा पर एक साथ कई नेताओं ने हमला बोला है। शिवसेना (उद्धव) सांसद संजय राउत ने कहा, असम के सीएम जिस पार्टी में हैं वह हमास से कम नहीं है, उन्हें पहले इतिहास पढ़ना और समझना चाहिए, वो बीजेपी में हैं तो उन्हें फिलस्तीन-इजराइल के बारे में पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की क्या भूमिका रही है उन्हें जानना चाहिए। एनसीपी नेता ने कहा था कि भारत के सभी पूर्व प्रधान मंत्री फिलिस्तीन के साथ मजबूती से खड़े थे। एनसीपी प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने हमेशा फिलिस्तीन के मुद्दे का समर्थन किया है, शरद पवार के बयान की महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी आलोचना की थी और कहा था कि, शरद पवार को भी आतंकवाद के खिलाफ उसी भाषा में बोलना चाहिए।

छत्तीसगढ़ तीन बार मनाएगा दिवाली : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार छत्तीसगढ़ तीन बार दिवाली मनाएगा। एक बार जब दिवाली होगी तब, दूसरी बार जब विधानसभा चुनाव के नतीजे आएंगे और भाजपा की सरकार बनेगी और तीसरी बार तब जब जनवरी में राम मंदिर का निर्माण होगा।

राहुल को गुमराह किसा जा रहा : के कविता

राहुल गांधी के भ्रष्टाचार के आरोपों पर बीआरएस नेता और सीएम के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी तेलंगाना में हैं और वह तेलंगाना सरकार पर एक लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं लेकिन उनकी स्क्रिप्ट लिखने वाले ने ही उन्हें गुमराह किया है।

मुझे हिमंता बिस्व सरमा से ऐसी उम्मीद नहीं थी : सुप्रिया सुले

» गाजा-इजरायल युद्ध पर वार-पलटवार- भाजपा की संगत में बिगड़े बोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। इस्राइल हमास युद्ध को लेकर एनसीपी चीफ शरद पवार के बयान से राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है। असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने कह दिया कि शरद पवार, सुप्रिया सुले को हमास के साथ लड़ने के लिए गाजा भेजेंगे। सरमा के इस बयान पर अब सुप्रिया सुले ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सुप्रिया सुले ने कहा कि भाजपा का व्यवहार महिलाओं के प्रति अनुचित है।

एनसीपी सांसद और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने हिमंता बिस्व सरमा के बयान पर कहा कि मैं हैरान हूं क्योंकि हिमंता बिस्व सरमा में भी वही डीएनए, जैसा मुझमें है। वह कांग्रेस से है और हम दोनों के अंदर कांग्रेसी डीएनए है। आप जानते हैं कि भाजपा का व्यवहार महिलाओं के प्रति अनुचित रहता है लेकिन मुझे हिमंता बिस्व सरमा से उम्मीदें थी। मैं हैरान हूं कि उनकी महिलाओं के प्रति सोच कैसे बदली है। भाजपा का उन पर कुछ ज्यादा ही प्रभाव पड़ा है।

पवार के बयान पर हुआ था विवाद

नेशनल कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार इस्राइल हमास युद्ध को लेकर कहा था कि फलस्तीन की पूरी जमीन है और इस्राइल ने उसकी जमीन पर कब्जा कर लिया है। घर, जगह, जमीन सब फलस्तीन की थी लेकिन अब इस्राइल ने उस पर अपना अधिकार जमा लिया है। एनसीपी उन लोगों के साथ खड़ी है जो मूल रूप से इस्राइल के रहने वाले हैं। शरद पवार ने पीएम मोदी द्वारा इस्राइल का समर्थन करने पर भी आपत्ति जताई और कहा कि पीएम मोदी असल मुद्दे को नजरअंदाज कर रहे हैं। शरद पवार के इस बयान की कई भाजपा नेताओं ने निंदा की। इनमें पीयूष गोयल और नितिन गडकरी जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हैं।

कोर्ट ने दिया सीबीआई को करारा झटका

» दिया आदेश- आरोपियों को चार्जशीट के दस्तावेज की कॉपी सौंपे

» दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में कोर्ट लाए गए सिसोदिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया आज गुरुवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। इस दौरान कोर्ट को बताया गया कि मनीष सिसोदिया की जमानत अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा हुआ है।

कोर्ट ने सीबीआई को मामले में आरोपितों को तीनों चार्जशीट से जुड़े दस्तावेजों की कॉपी देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने आरोपितों को मालखाने में रखे हुए दस्तावेजों की जांच के लिए जांच अधिकारी को अर्जी देने को कहा है। साथ ही सीबीआई से कहा कि आरोपितों के अधिवक्ता को रोज दोपहर दो से शाम सात बजे तक का समय दस्तावेजों की जांच के लिए दिया जाए।

आजम के साथ हुई नाइंसाफी : अखिलेश

» बोले- मुसलमान होने की मिल रही सजा
» भाजपा राज में अपराध के बन रहे रिकॉर्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि आजम खां को मुसलमान होने की सजा मिल रही है। लेकिन, जुल्म ढाने वाले याद रखें कि नाइंसाफी के खिलाफ एक अदालत अवाम की भी होती है। इस सियासी साजिश के खिलाफ इंसाफ के कई दरवाजे अभी खुले हैं। अखिलेश ने एक्स के जरिये कहा कि आजम खां और उनके परिवार को निशाना बनाकर समाज के एक पूरे हिस्से को डराने का जो खेल खेला जा रहा है, जनता वो भी देख रही है। सबकुछ समझ भी रही है। उन्होंने कहा कि कुछ स्वार्थी लोग नहीं चाहते हैं कि शिक्षा को बढ़ावा देने वाले समाज में सक्रिय रहें। वहीं सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने शायरी के जरिए दर्द बयान किया। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट लिखा, आफताब छुप गया तो क्या गम, सुबह नव जरूर आएगी, शर्त बस यही कि वक्त का थोड़ा इंतजार कीजिए।

अखिलेश ने कहा कि आजम खां के ऊपर लगातार इसी वजह से हमला हो रहा है। भाजपा के नेता और कुछ बाहर से लाए गए अधिकारी उनके साथ पहले दिन से साजिश कर रहे हैं। आजम बड़े नेता है और बड़ा विश्वविद्यालय भी बना दिया, उन्हें इसी की सजा मिल रही है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा वाले यही चाहते हैं कि जिस तरह से वे कोई काम नहीं करते, उसी तरह से कोई और भी काम न करे। सिर्फ जाति व धर्म के नाम पर नफरत फैलाई जाए। पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा के लोगों का भी यही कहना है कि आजम खां मुसलमान हैं, इसलिए उन्हें इस तरह की सजा का सामना करना पड़ रहा है। आजम खां और उनके परिवार को न्याय मिलेगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार में अपराध के क्षेत्र में हर दिन रिकार्ड पर रिकार्ड बनते जा रहे हैं। चंदौली में बेखौफ बदमाशों ने घर के बाहर खड़े युवक पर जानलेवा हमला कर दिया, जिसकी अस्पताल में मौत हो गई।

शिवपाल ने भी कहा- ये ज्यादती है

इंसाफ और फैसले में फर्क है : आजम खान

फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में आजम खान की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि इंसाफ और फैसले में फर्क होता है। रामपुर की एक अदालत ने बुधवार (18 अक्टूबर) को आजम खान, अब्दुल्ला आजम और पत्नी तंजीन फातिमा को सात साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट के आदेश पर तीनों को सीधे जेल भेजा जाएगा।. एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट शोभित बंसल की कोर्ट ने दो जन्म प्रमाणपत्र के 2019 के मामले में आजम खान, तंजीन फातिमा और अब्दुल्ला आजम को दोषी ठहराया और अधिकतम सात साल की सजा सुनाई। पूर्व जिला शासकीय अधिवक्ता अरुण प्रकाश सक्सेना ने बताया कि तीनों को न्यायिक हिरासत में ले लिया गया और अदालत से ही जेल भेज दिया जाएगा। दरअसल, भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 2019 में गंज थाने में सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान के बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के खिलाफ दो जन्म प्रमाणपत्र होने का मामला दर्ज कराया था, जिसमें सपा नेता आजम खान और उनकी पत्नी डॉ. तंजीन फातिमा को भी आरोपी बनाया गया था।

आजम और तजीन ने जनता के साथ भी किया धोखा : कोर्ट

रामपुर। सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र के मामले में एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट ट्रायल कोर्ट के न्यायाधीश शोभित बंसल ने अपना फैसला सुनाते हुए सपा नेता आजम खां और उनकी पत्नी डॉ. तजीन फात्मा पर तल्ख टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि आजम खां ने अपने बेटे को विधायक बनाने के लिए कूटरचित दस्तावेजों को आधार बनाकर फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनवाकर चुनाव लड़वाया और जनता ने उन्हें विधायक भी चुन लिया। जन्म प्रमाणपत्र जारी कराए जाने के समय आजम खां यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री थे। उनके द्वारा झूठे तथ्यों के आधार पर चुनाव लड़ाने के लाभ से प्रेरित होकर झूठा जन्म प्रमाणपत्र जारी कराया गया और उसका प्रयोग किया। यह रामपुर की जनता के साथ धोखा है उनकी मंशा न्याय को हराने जैसी है। कोर्ट ने तजीन फात्मा के खिलाफ भी टिप्पणी की है। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि तजीन फात्मा एक गृहणी ही नहीं है बल्कि पूर्व में राज्यसभा की सांसद और शिक्षक व उच्च शिक्षित महिला हैं। उन्होंने कूटरचित तथ्यों के आधार पर नगर निगम लखनऊ में झूठा शपथ पत्र दिया और लाभ अर्जित करने में योगदान भी किया। कोर्ट ने कहा कि किसी लोकतांत्रिक राष्ट्र में सरकार के अधीन आने वाले समस्त संगठन लोकहित के आशय से कार्य करते हैं। ऐसे में न्यायालय का यह दायित्व है कि इन परिस्थितियों में अपने दंड से यह संदेश दे कि कोई जनप्रतिनिधि या लोकसेवक अपने कार्यालय का दुरुपयोग करते हुए अपने परिजनों को निजी लाभ पहुंचाने के आशय से कोई गलत कार्य न करें। मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के दृष्टिगत दोष सिद्ध बंदियों को कम सजा दी जाती है तो दोष सिद्ध बंदियों का हौसला बढ़ेगा तथा भविष्य में इस प्रकार की संभावना बढ़ेंगी। कोर्ट ने टिप्पणी के साथ ही उच्चतम न्यायालय की नजीर का भी उल्लेख किया।

गांवों को हाउस टैक्स से मुक्त करेंगे : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गांवों के मसलों पर आंदोलन कर रहे खापों के प्रमुखों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री ने उनके मसलों से सहमति जताई और उन्हें पूरा करने का आश्वासन दिया। वहीं खापों के प्रतिनिधियों ने कहा कि मांगें पूरी नहीं होने तक वह आंदोलन समाप्त नहीं करेंगे। खापों के प्रमुखों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने गांवों को हाउस टैक्स से मुक्त करने के मामले की दो दिन में रिपोर्ट लेकर कार्रवाई आरंभ करने का आश्वासन दिया।

बैठक में डीएलआर एक्ट की धारा-81 और धारा-33 के तहत कार्रवाई को समाप्त करने, धारा-81 में दर्ज पुराने मामलों को तुरंत वापस लेने और धारा-74 (4) के अंतर्गत गांवों के भूमिहीनों, पूर्वसैनिकों व उनकी विधवाओं आदि को ग्रामसभा की भूमि में आवंटित रिहायशी व कृषि भूमि के पट्टों को मालिकाना हक देने के संबंध में सरकार ने प्रस्ताव करके उपराज्यपाल के पास भेज रखे हैं। ग्रामसभा में डीडीए को हस्तांतरण करने पर रोक लगाने, उसका इस्तेमाल गांवों में सुविधाएं उपलब्ध कराने समेत कई प्रस्ताव जल्द पास किए जाएंगे।

भाजपा ने हरियाणा को पीछे धकेला: संदीप

» बोले- इस बार आप को लोग करेंगे वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक। पंजाब और दिल्ली में अच्छे काम हो रहे हैं। इसका प्रभाव हरियाणा पर भी पड़ रहा है। इस बार बदलाव के लिए प्रदेशवासी आम आदमी पार्टी को वोट करेंगे। यह कहना है राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. संदीप पाठक का। वह पार्टी के रोहतक, भिवानी और गुरुग्राम-फरीदाबाद लोकसभा के ब्लॉक, सर्कल पदाधिकारियों के कार्यकर्ता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में प्रदेश बेरोजगारी में नंबर वन बन चुका है। हरियाणा में कुल 1.80 लाख से ज्यादा पद खाली पड़े हैं। इनमें से 6000 पद चिकित्सकों के रिक्त हैं।

डी ग्रूप की परीक्षा में साढ़े 13 हजार पदों पर साढ़े 13 लाख बेरोजगार युवा परीक्षा देने जा रहे हैं। प्रदेश में 4700 से ज्यादा कॉलेज शिक्षकों के पद रिक्त हैं। पिछले साढ़े चार साल में कॉलेजों में कोई भर्ती नहीं हुई। स्कूलों में भी 36000 शिक्षकों के पद खाली हैं। बेरोजगारी से आहत युवा कर्ज लेकर या अपनी जमीन बेचकर विदेश जाने को विवश हैं। हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) और हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) प्रदेश के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है। कभी पेपर रद कर दिया जाता है तो कभी लीक हो जाता है। भाजपा पेपर लीक सरकार है।

एसवाईएल विवाद केंद्र सरकार की वजह से

रोहतक में एसवाईएल के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी भी बचती नजर आ रही है। पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक ने भी एसवाईएल के मुद्दे पर स्पष्ट जवाब न देकर विवाद के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराते हुए ठीकरा केंद्र सरकार के सिर फोड़ा। कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विदेश जाकर बड़ी-बड़ी हांकते हैं। उन्हें चाहिए कि वह सभी राज्यों को समान रूप से पानी दें। वे पंजाब को भी पानी दे और हरियाणा को भी। कांग्रेस व भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इनको लोगों ने काफी मौके दिए हैं, लेकिन ये सभी दल लोगों की उम्मीद पर खरा नहीं उतरे हैं। बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार केजरीवाल को खत्म करने के लिए कई तरह के षड्यंत्र रच रही है। आने वाले लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन के धर्म अनुसार चुनाव लड़ेगी। पार्टी इस्राइल और हमास मामले पर केंद्र सरकार की नीति के साथ है। वह किसी भी तरह से आतंकवाद के समर्थन में नहीं है।

2024 में कांग्रेस सरकार बनना तय : अजय

» बोले- भाजपा की जनविरोधी नीतियों से त्रस्त है जनता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा कि कांग्रेस की सोच और नीतियों से प्रभावित होकर लोग कांग्रेस से जुड़ रहे हैं। भाजपा की जनविरोधी नीतियों से त्रस्त प्रदेश की जनता कांग्रेस की तरफ आशा भरी निगांहों से देख रही है। समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर उनको आगे बढ़ाने की कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी जी की सोच में लोग भरोसा व्यक्त कर रहे हैं।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा, जो 4000 किलोमीटर कन्याकुमारी से कश्मीर तक, ने देश का मूड बदल दिया है,सभी जाति और धर्म के लोग भाजपा की समाज तोड़ो राज करो की नीति और नीयत से परिचित हो चुके हैं।उधर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नीतियों एवं उसकी समावेशी विचारधारा में आस्था व्यक्त करते हुए कई लोग कांग्रेस में शामिल हो गए। यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर भारतीय जनता पार्टी से कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व विधायक पशुपतिनाथ राय एवं समाजवादी पार्टी से आए पूर्व विधायक गयादीन अनुरागी, ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मंत्री अजय राय जी के समक्ष कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। श्री राय ने कहा कि बंटवारे की राजनीति करने वाले दलों को छोड़कर लोग कांग्रेस में विश्वास जता रहे हैं,उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोगों को जोड़ने में विश्वास करती है, इसीलिए कांग्रेस का कारवाँ लगातार दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। प्रत्येक कार्यकर्ता प्रण ले चुका है कि संविधान समाप्त करने वालें भाजपा को 2024 में सत्ता से बाहर उखाड़ फेंकना है।

पूर्व सीएम व राज्यपाल नारायण दत्त तिवारी को किया याद

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश/उत्तराखंड स्व. पंडित नारायण दत्त तिवारी जी की जयंती एवं पुण्यतिथि के मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय जी ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य के विकास के लिए पंडित नारायण दत्त तिवारी जी ने जो ऐतिहासिक कार्य किये हैं व समाज के प्रति उनके द्वारा दिये गये उल्लेखनीय योगदान को कभी विस्मृत नहीं किया जा सकता है। सच्चे मायनों में स्व तिवारी जी एक विकास पुरुष के रूप में जाने जायेंगे। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह, कोषाध्यक्ष शिव पाण्डेय, संगठन सचिव अनिल यादव, पूर्व विधायक श्री श्याम किशोर शुक्ला, गयादीन अनुरागी, पशुपतिनाथ राय, प्रदेश प्रवक्ता पूर्व राज्य मंत्री डॉ0 सीपी राय, डॉ. उमा शंकर पाण्डेय, अंशू अवस्थी, मनीष हिंदवी, सचिन रावत, प्रियंका गुप्ता, डॉ.सुधा मिश्रा, अमरनाथ अग्रवाल, वीरेन्द्र मदान, सिद्धार्थ प्रिय श्रीवास्तव, प्रमोद सिंह, आशीष दीक्षित, रिचा शर्मा, सहित भारी संख्या में कांग्रेसजन शामिल रहे।

चुनाव आते ही नेता जी के बिगड़े बोल!

कांग्रेस, टीमएसी, सपा व जदयू ने खोला बीजेपी के खिलाफ मोर्चा

- एक-दूसरे पर व्यक्तिगत हमले जारी
- विपक्ष व भाजपा में वार-पलटवार
- भाजपा नेता के बयान से तेलंगाना में घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे चुनाव करीबी आ रहे हैं। नेताओं बोल बिगड़ने शुरू हो गए है। कोई किसी को गाली दे रहा है तो कोई नए-नए उपमाओं से उसको घेर रहा है। सबसे ज्यादा वार-पलटवार भाजपा व इंडिया गठबंधन के नेताओं के बीच में हो रहा है। सभी विपक्षी दल हर मुद्दे पर भाजपा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेर रहे हैं। कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी हों, सपा के अखिलेश हों , टीएमसी की ममता बनर्जी हो या दक्षिण के स्टालिन सबके निशाने पर नरेंद्र मोदी हैं। सियासी हल्के में यह चर्चा होने लगी ये राजनीतिक हमले पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव के परिणाम के बाद ही खत्म होंगे। वहीं चुनावी संग्राम में नेताओं के बोल बिगड़ रहे हैं। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव की तारीखों के एलान के साथ ही सियासी हलचल तेज हो गई है।

सभी दलों के दिग्गज नेता चुनावी कार्यक्रमों में ताकत झोंक रहे हैं। भाजपा भी तेलंगाना में अपने पैर जमाने के लिए भरसक प्रयास कर रही है। पार्टी के नेता लगातार सत्ताधारी पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर निशाना साध रहे हैं। इन सब चुनावी तैयारियों के बीच विवाद तब खड़ा हो गया, जब निजामाबाद से भाजपा सांसद अरविंद धर्मपुरी ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और उनके बेटे केटी रामाराव के मरने को लेकर बयान दे दिया। बयान के बाद से प्रदेश में काफी विवाद खड़ा हो गया है।

अरविंद धर्मपुरी ने एक जनसभा में कहा कि अगर तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव और उनके बेटे केटी रामाराव की मृत्यु हो जाती है तो भाजपा दोनों को आर्थिक मदद देगी। इस बयान के बाद बीआरएस ने भी पलटवार किया। एक चुनावी कार्यक्रम में धर्मपुरी ने मंगलवार को कहा कि बीआरएस ने अपने घोषणापत्र में केसीआर बीमा योजना के तहत मृत किसानों के परिवारों को पांच लाख रुपये का जीवन बीमा देने का वादा किया है। इसमें कहा गया है कि यदि मृतक किसान की उम्र 56 वर्ष से कम है तो परिवारों को बीमा दिया जाएगा। ये कैसी मदद है? उन्होंने आगे बीआरएस प्रमुख चंद्रशेखर राव और उनके बेटे रामाराव पर निशाना साधते हुए कहा, 'अगर चंद्रशेखर राव मर जाते हैं तो भाजपा उनके परिवार को पांच लाख रुपये देगी और अगर उनके पुत्र रामाराव मर जाते हैं तो हम इस राशि को बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर देंगे। उन्होंने कहा, 'वैसे भी केसीआर का समय खत्म हो चुका है। यदि युवा लोग मरते हैं, तो राशि बढ़ा दी जाएगी। यदि केसीआर की बेटी कविता मर जाती हैं तो मैं 20 लाख रुपये की घोषणा करूंगा। भाजपा नेता की टिप्पणियों पर पलटवार करते हुए बीआरएस नेता और केसीआर की बेटी कविता ने कहा, 'अगर अरविंद धर्मपुरी ने मेरे खिलाफ बयान दिए। अगर उन्होंने आपकी बेटियों के खिलाफ ये टिप्पणियां की हैं, तो क्या आप चुप रहेंगे? क्योंकि मैं राजनीति में हूं और मैं केसीआर की बेटी हूं, क्या यह बोलने का तरीका है?'कविता ने कहा कि इन व्यक्तिगत हमलों पर जनता को सोचना चाहिए कि यह किस हद तक सही है। उन्होंने राज्य के लोगों से निजामाबाद के मौजूदा सांसद अरविंद धर्मपुरी की टिप्पणियों के बारे में सोचने को कहा।

छत्तीसगढ़ में कट सकते है कई कांग्रेसी विधायकों के टिकट

कांग्रेस सीईसी उपसमिति की बैठक में छत्तीसगढ़ की बाकी बची 60 सीटों में नामों पर अंतिम मुहर लग गई है। संभावना है कि कांग्रेस बुधवार को अपनी दूसरी सूची जारी कर सकती है। दूसरी सूची में कांग्रेस 35 से 40 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर सकती है। इसमें कई ब? बदलाव भी दिख सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि, कई सीट पर नए नाम सामने आ रहे हैं तो कई सीटों पर कांग्रेस पुराने चेहरों पर ही दांव खेलने की तैयारी में हैं। कांग्रेस पार्टी इस बार कोई रिस्क लेने के मूड में नहीं है। इसलिए जिन विधायकों की रिपोर्ट खराब है उनके टिकट काटे जाएंगे। दिल्ली रवाना होने से पहले डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा था कि, परफॉर्मेंस ही टिकट का आधार होगा। हमारा काम सुझाव देना है। हाईकमान तय करेगा कि नाम घोषित कब करना है। उन्होंने कहा कि, हर आदमी एक जैसा नहीं खेलता।

विकास अघाड़ि पर भरी पड़ेगा महायुति गठबंधन : एकनाथ

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि महायुति गठबंधन अब अगले साल होने वाले आम चुनाव में राज्य की कुल 48 लोकसभा सीटों में से 45 सीटें जीतने पर ध्यान केंद्रित करेगा। बता दें, महायुति में सत्तारूढ़ भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार गुट वाली एनसीपी शामिल हैं। मुख्यमंत्री शिंदे बुधवार आधी रात के बाद ठाणे शहर में नवरात्रि कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस दौरान शिंदे ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समाजवादी नेताओं के साथ हाथ मिलाने का कदम हिंदुत्व विचारधारा में मिलावट के समान है। दरअसल, शिवसेना ने चार दशकों में पहली बार समाजवादी दलों के साथ हाथ मिलाने का फैसला किया है। आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए शिवसेना का यह फैसला अहम माना जा रहा है। ठाकरे ने रविवार को राज्य में 21 समाजवादी दलों के नेताओं को संबोधित करते हुए दावा किया था कि उनके साथ मतभेद मुख्य रूप से वैचारिक हैं, जिसे लोकतंत्र के लिए सुलझाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा था, 'उनमें से कई मुस्लिम हो सकते हैं लेकिन वे राष्ट्रवादी हैं जो देश के लोकतंत्र की रक्षा करना चाहते हैं।' उनके और शिवसेना के अन्य विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं के मुद्दे के बारे में पूछे जाने पर शिंदे ने कहा, लोकतंत्र में बहुमत का महत्व होता है और राज्य विधानसभा में 50 विधायक हमारे साथ हैं। हम असली शिवसेना हैं और चुनाव आयोग ने इसकी पुष्टि की है। हमें न्यायपालिका और अदालत पर भरोसा है और जो भी फैसला होगा वो लोकतंत्र के आधार पर होगा।'बता दें, पिछले साल जून में शिंदे और अन्य विधायकों के विद्रोह के कारण शिवसेना में विभाजन हो गया था और ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई थी। शिंदे ने बाद में भाजपा के समर्थन से सरकार बनाई थी। वहीं, इस साल जुलाई में एनसीपी नेता अजित पवार और पार्टी के आठ अन्य विधायक शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हो गए थे। विपक्ष के इस दावे पर कि उनकी सरकार गिर जाएगी, शिंदे ने कहा कि ऐसा कभी नहीं होगा।हमारी सरकार मजबूत हुई है और 200 से अधिक विधायक हमारे साथ हैं। सरकार पूरे उत्साह के साथ काम कर रही है।ठाकरे गुट पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने समाजवादी समूहों के साथ हाथ मिला लिया है और अगर वे असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम से भी हाथ मिला लेते हैं तो आश्चर्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह पतन है। यह विचारों का पतन है। पूरे देश ने देखा है कि 2019 में सिर्फ सत्ता के लिए क्या रुख अपनाया गया था। हम उनसे क्या उम्मीद कर सकते हैं?शिंदे ने यह भी कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य राज्य में महिला स्वयं सहायता समूहों को मजबूत करना और इसके लाभार्थियों की संख्या मौजूदा 60 लाख से बढ़ाकर दो करोड़ करना है।

कांग्रेस कर रही पांच राज्यों की 411 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर मंथन

कांग्रेस पार्टी की पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों को लेकर पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक शुरु हो गई है। इस अहम बैठक में राजस्थान के उम्मीदवारों की पहली सूची और मध्य प्रदेश-राजस्थान के बचे हुए 146 नामों की घोषणा हो सकती है। कांग्रेस मुख्यालय में हो रही बैठक पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अगुवाई में चल रही है। इसमें सभी राज्यों के बड़े नेता मौजूद है। कांग्रेस ने 15 अक्टूबर को मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के लिए 229 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। इनमें मध्यप्रदेश की 230 में से 144, छत्तीसगढ़ की 90 में से 30 और तेलंगाना की 119 में से 55 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए थे। 16 अक्टूबर को मिजोरम की 40 में से 39 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया था। अब तक 200 सीटों वाली राजस्थान की कोई लिस्ट नहीं आई है। बुधवार को पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति में राजस्थान की 200, मध्य प्रदेश की 86, छत्तीसगढ़ की 60, तेलंगाना की 64 और मिजोरम की बची हुई एक सी पर नाम तय हो है। पार्टी के नेता पांच राज्यों की 411 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर मंथन करेंगे। राजस्थान की स्क्रीनिंग कमेटी ने करीब 100 सीटों पर सिंगल नामों का पैनल केंद्रीय चुनाव समिति के सामने रखा है। स्क्रीनिंग कमेटी के पैनल पर केंद्रीय चुनाव समिति मंथन किया है। बैठक के बाद अब कभी भी करीब 106 कांग्रेस उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की जा सकती है। पहली लिस्ट में बिना विवाद वाली सीटों पर उम्मीदवार तय हो जाएंगे। इनमें सरदारपुरा से सीएम अशोक गहलोत, लक्ष्मणगढ़ (सीकर) से प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, टोंक से सचिन पायलट, नाथद्वारा से डॉ. सीपी जोशी, बायतु से हरीश चौधरी, केकड़ी से रघु शर्मा, जहाजपुर से धीरज गुर्जर, सलूंबर से रघुवीर मीणा जैसे दिग्गज नेताओं के नाम है। इसके अलावा जो नेता लगातार जीत रहे उनके नाम भी इस सूची में शामिल होंगे। सूत्रों ने बताया कि, इस लिस्ट में सर्वे में कमजोर आए मौजूदा विधायकों के टिकट कटने की संभावना है। ऐसे करीब 15 विधायक है जिनका पार्टी टिकट काट सकतीहै।

सीएम अशोक गहलोत ने स्क्रीनिंग कमेटी से लेकर हर स्तर पर ज्यादातर सीटों पर मौजूदा विधायकों को टिकट देने की पैरवी की। गहलोत ने कल भी कहा था कि विधायकों की वजह से ही काम हुए हैं और केवल आरोप लगाने से कुछ नहीं होता है, इसके आधार पर उनका नाम कैसे काट सकते हैं। राजस्थान की बैठक के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी नाराज नजर आए। सीईसी की बैठक में सिंगल पैनल नाम लाने पर राहुल बेहद नाराज दिखे। बैठक में उन्होंने कहा, वही घिसे पीटे चेहरे सिंगल पैनल लाने का क्या फायदा। नए नाम क्यों नहीं है शामिल, मेरे पास है सारी रिपोर्ट। नए चेहरों को प्राथमिकता दिया जाना चाहिए। विधानसभा चुनाव के लिए दिल्ली में कांग्रेस की सेंट्रल इलेक्शन कमेटी की बैठक हो रही है। इस बैठक में मध्यप्रदेश की बाकी 86 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम फाइनल हो सकते हैं। कांग्रेस ने 15 अक्टूबर को अपनी पहली सूची में 144 उम्मीदवार घोषित किए थे। बैठक में केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य और मप्र पीसीसी चीफ कमलनाथ, प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला सहित तमाम पदाधिकारी मौजूद हैं। सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने लंबे समय से हार रही सीटों पर कांग्रेस की स्थिति को समझने और जिताऊ उम्मीदवारों को खोजने की जिम्मेदारी दिग्विजय सिंह को सौंपी गई है। दिग्विजय सिंह ने 66 सीटों के दौरे करके अपनी रिपोर्ट कमलनाथ को दो महीने पहले सौंप चुके हैं। इनमें से अभी 35 सीटों पर उम्मीदवार घोषित होना बाकी हैं।

अजित पवार को राजनीतिक रूप से खत्म करने की कोशिश कर रही भाजपा : रोहित पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने अजित पवार को लेकर बड़ा दावा किया है। रोहित पवार ने आरोप लगाया है कि भाजपा उपमुख्यमंत्री अजित पवार को कमजोर करने और उन्हें राजनीतिक रूप से खत्म करने की कोशिश कर रही है। रोहित की यह टिप्पणी आरोपों पर चुप्पी के लिए भाजपा की आलोचना करते हुए आई जहां पुणे की पूर्व पुलिस कमिश्नर मीरान बोरवंकर ने अपनी किताब मैडम कमिश्नर में आरोप लगाए हैं, जिसमें उन्होंने कहा है कि अजित पवार ने 2010 में 3 एकड़ प्रमुख पुलिस जमीन एक निजी बिल्डर को सौंपने के लिए उन पर दबाव बनाने की कोशिश की थी। अजित पवार ने आरोपों से इनकार किया है। रोहित ने पिंपरी-चिंचवड़ में कहा अजित पवार पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने उन आरोपों का जवाब दिया है लेकिन बीजेपी ने चुप्पी साध रखी है। यह पार्टी की प्रवृत्ति है। इससे पहले भी, इसने राजनीतिक क्षेत्र में कई नेताओं को खत्म करने की कोशिश की है। रोहित ने कहा कि विवाद का एक और कोण था। उन्होंने कहा कि लोग अजित पवार को राजनीतिक रूप से खत्म करने की कोशिशों के बारे में बात कर रहे हैं। बीजेपी पहले भी ऐसी कोशिशें कर चुकी है। यह एकनाथ खडसे और पंकजा मुंडे के मामले में भी हुआ है।भाजपा में पंकजा के संघर्षों का जिक्र करते हुए रोहित ने कहा, बीड की भाजपा नेता ने अपनी ही पार्टी में संघर्ष किया है, जिसके विकास में उनके पिता गोपीनाथ मुंडे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अजित पवार के साथ भी बीजेपी इसी तरह का व्यवहार कर रही है। भाजपा का मानना है कि अगर वह इस तरह की रणनीति अपनाती है तो प्रतिस्पर्धा खत्म हो जाती है। लेकिन बीजेपी को याद रखना चाहिए, इस तरह से काम नहीं होता। यह उत्तरी राज्यों में हो सकता है लेकिन यह महाराष्ट्र में काम नहीं करेगा। आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी प्रवक्ता संदीप खारदेकर ने कहा, जब एनसीपी के प्रवक्ता और नेता अजित पवार के पक्ष में बचाव कर रहे हैं, तो हमें उसी मुद्दे पर बोलने की जरूरत कहां है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

ओलंपिक में शामिल होने से क्रिकेट को लाभ

ओलंपिक में क्रिकेट के आने से अमेरिका, चीन, फ्रांस, इटली, जर्मनी जैसे देश भी इसमें अपना हाथ आजमा सकते हैं। उधर इस फैसले में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की भी अहम भूमिका रही। वंही आईसीसी ने इस पर जोर दिया कि भारत दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है जिसका टीवी और डिजिटल मार्केट व्यापक है।

एक तरफ जहां विश्वकप का अयोजन भारत में हो रहा है वहीं मुंबई में हुए इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी की बैठक में क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल करने के फैसले से क्रिकेट के प्रशसंकों में खुशी की लहर है। क्रिकेट के जानकारों का कहना है कि इससे क्रिकेट के विस्तार को पंख लगेंगे। ओलंपिक में क्रिकेट के आने से अमेरिका, चीन, फ्रांस, इटली, जर्मनी जैसे देश भी इसमें अपना हाथ आजमा सकते हैं। उधर इस फैसले में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की भी अहम भूमिका रही। वंही आईसीसी ने इस पर जोर दिया कि भारत दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है जिसका टीवी और डिजिटल मार्केट व्यापक है। भारत से मिलने वाले प्रसारण राजस्व से आईओसी और स्थानीय आयोजन समिति दोनों को ही फायदा होगा। लोकप्रियता सबसे महत्वपूर्ण पहलू है और क्रिकेट दुनिया का दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल है जिसकी बहुत ज्यादा व्यावसायिक अपील है। जब दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर ओलंपिक खेलों का हिस्सा बनेंगे तो इससे खेलों को ही लाभ होगा।

अरबों डॉलर के प्रसारण बाजार, खेल के सबसे शक्तिशाली बोर्ड के सकारात्मक रवैये और वैश्विक संस्था की शानदार प्रस्तुति ने क्रिकेट को लॉस एंजेलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में शामिल करने में अहम भूमिका निभाई। आईसीसी क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल करने के लिए पिछले दो वर्षों से अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) और लॉस एंजेलिस खेलों की स्थानीय आयोजन समिति के साथ मिलकर काम कर रही थी। लेकिन इसमें भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है जिसके सकारात्मक रूख का मतलब इसमें प्रसारकों की दिलचस्पी बढ़ना है। बीसीसीआई ने वैश्विक खेल और विशेष रूप से ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा बनने से लाभ में रहने वाले सहयोगियों के महत्व को समझते हुए शुरू से इसका समर्थन किया। आईसीसी ने इस पर जोर दिया कि भारत दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है जिसका टीवी और डिजिटल मार्केट व्यापक है। भारत से मिलने वाले प्रसारण राजस्व से आईओसी और स्थानीय आयोजन समिति दोनों को ही फायदा होगा। लोकप्रियता सबसे महत्वपूर्ण पहलू है और क्रिकेट दुनिया का दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल है जिसकी बहुत ज्यादा व्यावसायिक अपील है। जब दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर ओलंपिक खेलों का हिस्सा बनेंगे तो इससे खेलों को ही लाभ होगा। क्रिकेट के लिए अमेरिका जैसे नए बाजार में एक विरासत तैयार करना चुनौती पूर्ण होगा लेकिन यह देश अगले साल टी20 विश्व कप की मेजबानी करेगा और चीज कैसे आगे बढ़ेंगी इसका अंदाजा इस टूर्नामेंट से लगाया जा सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बेटियों को दें सम्मान से जीने का हक

नरेश कौशल

देश इस वक्त नवरात्र की पावन वेला में तन-मन से साधनारत है, आराधना देवी की, जो शक्ति की प्रतीक हैं। उनके दृश्य-प्रतीक नारी की शक्ति और क्षमताओं को दर्शाते हैं। बहुत संभव है हमारे पूर्वजों ने इस पर्व की शुरुआत समाज में नारी की गरिमा व सम्मान को व्यवहार में लाने के लिये की। मसलन, यह बताने की कोशिश कि किसी समाज की सभ्यता के तौर पर पहचान तभी तक है जब तक उस समाज में नारी को पूरा सम्मान मिलता है। स्त्री को न केवल समानता का दर्जा व्यावहारिक जीवन में देना जरूरी है बल्कि उसकी अस्मिता की रक्षा भी सुनिश्चित करना है। उसका जीवन किसी भी तरह के भेदभाव से मुक्त रखना होगा। हमारे समाज ने शेर पर विराजमान देवी को नारी शक्ति के प्रतीक के रूप में पूजा है। जो इंगित करता है कि वह वक्त पड़ने पर हिंसक शेर को भी वश में करना जानती है। उसके अस्त्र-शस्त्र उसकी क्षमताओं के पर्याय हैं, यह बताने के लिये कि वह अपने साथ होने वाले अन्याय का जवाब देने में सक्षम है। संदेश यह कि वह कमजोर नहीं है। साल में दो बार आने वाले शारदीय व वासंतिक नवरात्र हमें नारी शक्ति, अस्मिता व गरिमा का अहसास कराने के लिये हैं। लेकिन विडंबना है कि हमने इन प्रतीकों व संकेतों को महज कर्मकांड में तब्दील कर दिया है। हाल के दिनों में हम रोज अखबारों पर नजर डालें तो आये दिन महिलाएं अपराधियों की क्रूरता का शिकार होती नजर आती हैं। ऐसा लगता है कि देश में यौन हिंसा का विस्फोट हो रहा है। कष्टदायक है कि मोबाइल पर इंटरनेट की पहुंच के बाद उसमें अश्लील सामग्री का सैलाब-सा नजर आ रहा है। ये पाश्चात्य खुलापन व अश्लीलता न हमारे संस्कारों में है और न ही हमारे वातावरण व जलवायु इसके अनुकूल हैं। देश में कई बड़े यौन अपराधों में यह डराने वाला सच सामने आया है कि अपराधियों ने मोबाइल पर अश्लील सामग्री देखने के बाद यौन अपराधों को अंजाम दिया। ऐसे वक्त में, जब हमारे शिक्षा संस्थान गुरुकुलों की तरह छात्रों के बहुमुखी विकास और ब्रह्मचर्य का पाठ पढ़ाने में पिछड़ रहे हैं, तो ऐसे में माता-पिता को यह जिम्मेदारी निभानी होगी कि युवा इस भटकाव से बचें।

कष्टदायक यह है कि यौन कुंठाओं के विस्फोट में असहाय महिलाएं व बच्चियां हिंसा का शिकार बन रही हैं। हाल ही में बरेली की वह घटना परेशान

करती है जिसमें प्रेम निवेदन अस्वीकार करने पर एक लड़की को एक बिगड़ैल लड़के ने चलती ट्रेन के आगे धकेल दिया, जिसमें उसके हाथ-पैर कट गये। भारतीय संस्कृति पश्चिमी जीवनदर्शन की तर्ज पर महिला को भोग्य नहीं मानती। महिला हमारी संस्कृति सभ्यता में ऊंचा स्थान रखती है। दरअसल, नवरात्र का यह पर्व कन्याओं के पूजन तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। युवाओं में भी ऐसे संस्कार पनपने चाहिए कि समाज में बेटियों का सम्मान केवल नवरात्र में ही नहीं, सालभर करना है। जिस दौर में यौन कुंठाएं लगातार अपराध की वजह बन रही हों, वहां इसके खिलाफ देशभर में मुहिम चलाने की जरूरत है। इसमें परिजनों, शिक्षकों व समाजसेवी संस्थाओं को रचनात्मक पहल करनी होगी। लैंगिक भेदभाव दूर करने का सबसे बड़ा कदम हमारे घरों से उठाया जाना चाहिए। हमें बेटियों को न केवल सक्षम व सबल बनाना है बल्कि उन्हें किसी भी तरह के लैंगिक भेदभाव से आजाद भी करना है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि हम समाज में बेटियों को उनका असली हक नहीं दे पाये हैं। महिला आरक्षण बिल हकीकत बनाने में किंतु-परंतुओं से कितने समय बाद छुटकारा मिलेगा। अभी तो जनगणना व परिसीमन का पेच बाकी है। फिर भी इसे अच्छी शुरुआत तो कह ही सकते हैं। मगर ध्यान रहे कि यह आधी दुनिया का न पूरा हक है, न ही पूरा सच। यह सिर्फ तैंतीस फीसदी हक ही है। कोशिश यह भी होनी चाहिए कि महिलाओं को काम के बदले पुरुषों के बराबर मेहनताना मिले। दुनिया में महिलाओं को पुरुषों के बराबर हक हासिल होने में अभी सौ साल से अधिक समय लगेगा।

फिर भी, इस तरफ ईमानदारी से कोशिश तो होनी ही चाहिए। हुक्मरानों से पूछा जाना चाहिए कि देश के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी 37 फीसदी ही क्यों है? महिला-पुरुष आय में समानता के मुद्दे पर हमारी पहचान दुनिया में 141वें स्थान पर क्यों है? लिंगानुपात में हम दुनिया में 140वें स्थान पर क्यों हैं? महिलाओं में कुपोषण व स्वास्थ्य के मामले में हम 137वें स्थान पर क्यों हैं? उद्योगों में महिला नेतृत्व के मामले में हम इतने पीछे क्यों हैं? हम नारी को पूजने की बात तो करते हैं, मगर समाज में उसे बराबरी का हक देने में पीछे रह जाते हैं। वास्तव में उसके सपनों को हकीकत में बदलने की जरूरत है।

संवेदनशील क्षेत्रों में जलस्रोतों का संरक्षण जरूरी

पंकज चतुर्वेदी

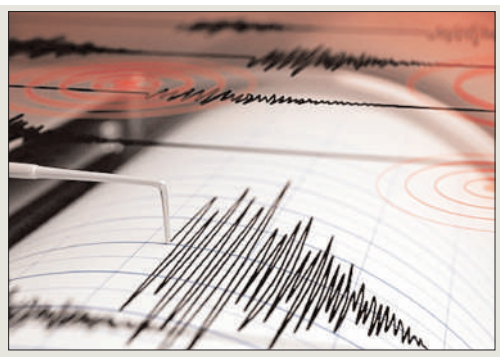

गत चार अक्टूबर को उत्तरी भारत के साथ दिल्ली एनसीआर में करीब 15 सेकंड तक धरती थर्राई। यह झटका रेक्टर स्केल पर पर 6.2 का था, जिसे अति गंभीर माना जाता है। उसके बाद से पिछले पंद्रह दिनों में दिल्ली के आसपास तीन बार और भूकंप आ चुका है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने दिल्ली एनसीआर में भूकम्प के बीते 63 सालों के आंकड़ों के आकलन में पाया है कि अतिक्रमण व अवैध कब्जों की भेंट चढ़ रहे जलाशयों के ऊपर इमारतें भले खड़ी हो गई हों, लेकिन उनके नीचे पानी में अभी भी भूकंप के झटके लगते रहते हैं। एनसीएस के मुताबिक, एक जनवरी, 1960 से लेकर 31 मार्च, 2023 के दरम्यान दिल्ली-एनसीआर में अधिकेंद्र वाले कुल 675 भूकंप आए हैं। लेकिन साल 2000 तक 40 वर्षों में जहां केवल 73 भूकंप दर्ज किए गए, वहीं इसके बाद 22 वर्षों में 602 भूकंप रिकॉर्ड किए गए।

भारत के कुल क्षेत्रफल का 54 फीसदी भूकंप संभावित क्षेत्र के रूप में चिन्हित है। दिल्ली को खतरे के लिए तय जोन-चार में आंका है, जहां भूकंप आने की संभावनाएं गंभीर स्तर की हैं। भूकंप संपत्ति और जन-हानि के नजरिये से सबसे भयानक प्राकृतिक आपदा है। महज जागरूकता और अपने आसपास को इस तरह से सुरक्षित करना कि कभी भी धरती हिल सकती है, बस यही इसका निदान है। हमारी धरती जिन सात टेक्टोनिक प्लेटों पर टिकी हैं, यदि इनमें कोई हलचल होती है तो धरती कांपती है। एनसीएस के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में आने वाले भूकंप अरावली पर्वतमाला के नीचे बने छोटे-मोटे फॉल्टों के कारण आते हैं, जो कभी-कभी ही सक्रिय होते हैं। यहां प्लेट टेक्टोनिक्स की प्रक्रिया भी बहुत धीमी है। शुरुआत में भूकम्प के झटके बहुत सामान्य थे जिनकी तीव्रता 1.1 से 5.1 तक थी लेकिन जैसे-जैसे इस समग्र महानगर में जल निधियां सूखना शुरू हुईं, सन् 2000 के बाद भूकंप की तीव्रता में तेजी आ रही है। खासकर यमुना के सूखने और उसकी कछार की जमीन पर निर्माण ने भूकम्प से नुकसान की संभावना को प्रबल कर दिया है।

विदित हो कि भारत आस्ट्रेलियन प्लेट पर टिका है और हमारे यहां अधिकतर भूकंप इस प्लेट के यूरेशियन प्लेट से टकराने के कारण उपजते हैं। भूकंप के झटकों का कारण भूगर्भ से तनाव-ऊर्जा उत्सर्जन होता है। यह ऊर्जा अब भारतीय प्लेट के उत्तर दिशा में बढ़ने और फॉल्ट या कमजोर जोनों के जरिये यूरेशियन प्लेट के साथ इसके टकराने के चलते एकत्र हुई है। जानना जरूरी है कि हिमालयी भूकंपीय क्षेत्र में भारतीय प्लेट का यूरेशियन प्लेट के साथ टकराव होता है और इसी से प्लेट बाउंडरी पर तनाव ऊर्जा संगृहीत हो जाती है जिससे क्रिस्टल छोटा हो जाता है और चट्टानों का विरूपण होता है। ये ऊर्जा भूकंपों के रूप में कमजोर जोनों एवं फॉल्टों के जरिये सामने आती है। हालांकि, भूकंप कब, कहां और कितनी अधिक ऊर्जा (मैग्नीट्यूड) के साथ आ सकता है, इसकी अभी कोई सटीक तकनीक विकसित हो नहीं पाई है, केवल किसी क्षेत्र की अति संवेदनशीलता को उसकी पूर्व भूकंपनीयता, तनाव बजट की गणना, सक्रिय फाल्टों की मैपिंग आदि से समझा जा सकता है।

आज जरूरी है कि जिन इलाकों में बार-बार धरती डोल रही है वहां भूवैज्ञानिक अध्ययनों का पूरी तरह उपयोग करते हुए उप-सतही संरचनाओं, ज्यामिति तथा फाल्टों एवं रिजों के विन्यास की जांच की जानी है। चूंकि नरम मृदाएं संरचना की बुनियादों को सहारा नहीं दे पातीं, भूकंप प्रवण क्षेत्रों में बेडरॉक या सख्त मृदा की सहारा वाली संरचनाओं में कम नुकसान होता है। इस प्रकार, नरम मृदाओं की मोटाई के बारे में जानने के लिए मृदा द्रवीकरण अध्ययन किए जाने की भी आवश्यकता है। सक्रिय फॉल्टों को निरूपित किया जाना है वहीं जीवनरेखा संरचनाओं या अन्य अवसंरचनाओं को नजदीक के सक्रिय फॉल्टों से बचा कर रखे जाने और उनका भारतीय मानक ब्यूरो के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरूप निर्माण किए जाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सवा तीन करोड़ लोगों की आबादी का चालीस फीसदी इलाका अनधिकृत है तो 20 फीसदी के आसपास बहुत पुराने निर्माण। बाकी रिहाइशों में से बमुश्किल पांच फीसदी के निर्माण या उसके बाद यह सत्यापित किया जा सका कि यह भूकंपरोधी है। बहुमंजिला मकान, छोटे से जमीन के टुकड़े पर एक के ऊपर एक डिब्बे जैसी संरचना, बगैर किसी इंजीनियर की सलाह के बने परिसर, छोटे से घर में ही संकरे स्थान पर रखे ढेर सारे उपकरण व फर्नीचर, भूकंप के खतरे से बचने की चेतावनियों को नजरअंदाज करने की मजबूरी भी है और कोताही भी।

वल्नरेबिलिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की बिल्डिंग मैटीरियल एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन काउंसिल द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में दावा किया गया था कि दिल्ली के 91.7 प्रतिशत मकानों की दीवारें पक्की ईंटों से जबकि 3.7 प्रतिशत की दीवारें कच्ची ईंटों से बनी हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, ईंटों से बनी इमारतों में भूकंप के दौरान सर्वाधिक तबाही होती है। राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान हैदराबाद के एक शोध से स्पष्ट हुआ कि भूकंप का एक बढ़ा कारण धरती की कोख से जल का अंधाधुंध दोहन करना भी है। भूजल धरती के भीतर लोड यानी भार के तौर पर उपस्थित होता है। इसी लोड के चलते फाल्ट लाइनों में भी संतुलन बना रहता है। देश के जिन भी इलाकों में यदा-कदा धरती कांपती रहती है, उन सभी शहरों-जिलों में पारम्परिक जल-निधियों- जैसे तालाब, झील, बावड़ी, छोटी नदियों को पानीदार बनाए रखना जरूरी है।

बच्चों के लिए बनाएं हेल्दी चिली गार्लिक पोटैटो

अगर आपके बच्चों को बाहर का खाने का शौक हो और वह आए दिन बाहर से खाना ऑर्डर करने की जिद्द करते हैं तो उनकी इस आदत को सुधारना होगा। बाहर का खाना स्वादिष्ट जरूर हो सकता है लेकिन सेहत के लिहाज से अच्छा नहीं होता। इसलिए बच्चों के लिए घर पर ही उनकी पसंद और बाजार के खाने जैसी स्वाद वाली डिश बनाइए। आप बच्चों के लिए स्नैक्स में चिली गार्लिक पोटैटो बना सकते हैं। ये डिश स्वादिष्ट तो है ही हेल्दी भी है। इसमें लहसुन का इस्तेमाल होता है, जो शरीर की इम्युनिटी को बढ़ाने का काम करता है। आलू में भी पोषण होता है। विटामिन बी 1, बी 3 और बी 6 और पोटैशियम, फास्फोरस और मैग्नीशियम जैसे मिनरल आलू में पाए जाते है। अधिकतर बच्चों को चिली गार्लिक पोटैटो पसंद भी होता है।

सामग्री

4 से 5 उबले आलू, 1 छोटा चम्मच लहसुन का पेस्ट, 2 चम्मच मक्के का आटा, 1 छोटा चम्मच चिल्ली फ्लेक्स, तेल, नमक, कटी हुई धनिया पत्ती।

ग्रेवी बनाने के लिए सामग्री

बारीक कटा हुआ लहसुन, अदरक, प्याज, शिमला मिर्च, चीनी, नमक, 1 चम्मच सोया सॉस, 1 चम्मच रेड चिली सॉस, 2 चम्मच केचअप, दो चम्मच अरारोट।

विधि

चिली गार्लिक पोटैटो बनाने के लिए सबसे पहले आलू को उबाल कर छील लें। अब उबले हुए आलू को कद्दूकस कर लें या अच्छे से मैश कर लें। फिर आलू में कॉर्न फ्लोर, चिली फ्लेक्स, लहसुन का पेस्ट, नमक और हरा धनिया ये सभी सामग्री को एक साथ डालकर मिला लीजिए। जब आलू में सभी सामग्री अच्छे से मिल जाए तो इस मिश्रण के छोटे-छोटे बॉल्स बना लीजिए। आप चाहें तो कोई और आकार भी दे सकते हैं। अब एक पैन में तेल डाल कर मध्यम आंच में गर्म करने के लिए चढ़ाएं। इस तेल में आलू के मिश्रण वाली बॉल्स को डालकर अच्छे से डीप फाई करें, जब तक उसका रंग हल्का सुनहरा न हो जाए।

ग्रेवी बनाने की विधि

अगर आप ग्रेवी वाला चिली गार्लिक पोटैटो बनाना चाहते हैं तो एक कढ़ाई में एक चम्मच तेल गरम करके उसमें कटी हुई लहसुन, अदरक डाल प्याज और शिमला मिर्च डालकर भुन लीजिये। फिर हल्की चीनी, नमक और 1 चम्मच सोया सॉस, 1 चम्मच रेड चिली सॉस, 2 चम्मच केचअप डालकर दो मिनट पकाएं और फिर आधा कप पानी डालकर दो चम्मच अरारोट कड़ाई में घोल लीजिए। दो मिनट पकाने के बाद उसमें तले हुए आलू के टुकड़े डालकर अच्छे से मिला कर सर्व करें।

तेज भूख को शांत करेंगे अंडे से बने ये पकवान

संडे हो या मंडे, रोज खाओ अंडे..... ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि अगर आप नियमित रूप से अंडा खाते हैं तो इसे खाकर आप दिनभर स्फूर्तिवान रह सकते हैं। इससे ना सिर्फ शरीर को ताकत मिलती है, इसे खाने के बाद पेट भी पूरा दिन भरा रहता है। कई लोग तो अंडा खाने के इतने शौकीन होते हैं कि वो एक साथ कई-कई क्रेट लेकर रख लेते हैं। ज्यादातर लोग जल्दबाजी के चक्कर में सिर्फ अंडा बॉयल करके खा लेते हैं। अगर आपके पास सुबह सही से नाश्ता करने का समय नहीं है तो आप भी आसानी से अंडे से ये पकवान बनाकर खा सकते हैं।

ऑमलेट

अंडे का ऑमलेट बनाते वक्त अगर आप चाहती हैं कि आपका नाश्ता हैवी हो तो आप इसके साथ ब्रेड भी सेक सकती हैं। आमलेट में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, आयरन, पोटेशियम, सोडियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस के साथ रिबोफ्लेविन, फोलेट, विटामिन ए, विटामिन डी, विटामिन बी6 और विटामिन बी12 जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं।

अंडा पराठा

पराठे के अंदर अंडा डालकर इसे तैयार किया जाता है। ये खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। इसे आप केचअप के साथ भी खा सकते हैं। अंडे का पराठा प्रोटीन से भरा और हेल्दी होता है।

एग तवा फ्राय

उबले हुए अंडे को बीच में से काट कर तवे पर अच्छे से सेंक लें। इसे खाने से मुंह का स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। हाफ फाई अंडा गुड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाता है जिससे हार्ट से जुड़ी बीमारियों के होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है।

एग रोल

अगर आप कुछ ऐसा बनाना चाहते हैं जिसे आप रास्ते में खाते जा सकें तो एग रोल तैयार करके इसे एक फॉइल में रैप कर लें। इसे आप आसानी से रास्ते में भी खा सकते हैं।

एग अप्पे

अगर आप कुछ अलग सा ट्राई करना चाहते हैं तो अप्पे के बैटर को रात को तैयार करके रख दीजिए। इसके बाद सिर्फ सुबह आपको अंडा बैटर में डालना है और एग अप्पे तैयार करने हैं।

बेक्ड ऐग

अगर आप अंडे में कुछ हटके ट्राई करना चाहते हैं तो आप बेक्ड ऐग ट्राई कर सकते हैं। इसको अंडे के बैटर से तैयार किया जाता है। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है।

हंसना मना है

गर्ल- क्या कर रहे हो? बॉय- मक्खियां मार रहा हूं, गर्ल- कितनी मारी? बॉय- 3 मेल और 2 फीमेल, गर्ल- कैसे मालुम? बॉय- क्योंकि, 3 दारू की बोतल से चिपकी थी और 2 फोन से।

वाह प्रभु, अजब तेरी लीला है, चूहा बिल्ली से डरता है, बिल्ली कुत्ते से डरती है, कुत्ता आदमी से डरता है, आदमी बीवी से डरता है, और बीवी चूहे से डरती है।

पति रोज किचन में जाता और चीनी का डिब्बा खोलकर देखता और फिर बंद करके रख देता,

पत्नी- रोज रोज ये क्या करते रहते हो? पति- चुप कर, डॉक्टर ने कहा है, रोज अपनी शुगर चेक करते रहो।

पति-पत्नी मंदिर में पूजा करने गये, पति- तुमने क्या मांगा? पत्नी- आप और मैं सात जन्म तक साथ रहें और तुमने क्या मांगा? पति- भगवान करे ये मेरा सातवां जन्म हो।

पति की तबियत बहुत खराब थी, पति-काम वाली शांति को बुलाओ, पत्नी - क्यों? पति- डॉक्टर ने कहा है कि दवा खाकर शांति के साथ सो जाना।

कहानी

मंदबुद्धि

विद्यालय में एक लड़का पढ़ने जाता है जिससे सब मंदबुद्धि कहते थे। उसके गुरुजन भी उससे नाराज रहते थे क्योंकि वह पढने में बहुत कमजोर था और उसकी बुद्धि का स्तर औसत से भी कम था। कक्षा में उसका प्रदर्शन हमेशा ही खराब रहता था और बच्चे उसका मजाक उड़ाने से कभी नहीं चूकते थे। पढने जाना तो मानो एक सजा के समान हो गया था, वह जैसे ही कक्षा में घुसता और बच्चे उस पर हंसने लगते, कोई उसे महामूर्ख तो कोई उसे बैलों का राजा कहता, यहां तक की कुछ अध्यापक भी उसका मजाक उड़ाने से बाज नहीं आते। इन सबसे परेशान होकर उसने स्कूल जाना ही छोड़ दिया। अब वह दिन भर इधर-उधर भटकता और अपना समय बर्बाद करता। एक दिन इसी तरह कहीं से जा रहा था, घूमते-घूमते उसे प्यास लग गयी। वह इधर-उधर पानी खोजने लगा। अंत में उसे एक कुआं दिखाई दिया। वह वहां गया और कुएं से पानी खींच कर अपनी प्यास बुझाई। अब वह काफी थक चुका था, इसलिए पानी पीने के बाद वहीं बैठ गया। तभी उसकी नज़र पत्थर पर पड़े उस निशान पर गई जिस पर बार-बार कुएं से पानी खींचने की वजह से रस्सी का निशां बन गया था। वह मन ही मन सोचने लगा कि जब बार-बार पानी खींचने से इतने कठोर पत्थर पर भी रस्सी का निशान पड़ सकता है तो लगातार मेहनत करने से मुझे भी विद्या आ सकती है। उसने यह बात मन में बैठा ली और फिर से विद्यालय जाना शुरू कर दिया। कुछ दिन तक लोग उसी तरह उसका मजाक उड़ाते रहे पर धीरे-धीरे उसकी लगन देखकर अध्यापकों ने भी उसे सहयोग करना शुरू कर दिया। उसने मन लगाकर अथक परिश्रम किया। कुछ सालों बाद यही विद्यार्थी प्रकांड विद्वान वरदराज के रूप में विख्यात हुआ, जिसने संस्कृत में मुग्धबोध और लघुसिद्धांत कौमुदी जैसे ग्रंथों की रचना की।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आप दांपत्य जीवन में धनिष्ठता अनुभव करेंगे। व्यवसाय में परेशानी खड़ी होगी। हाल में विकसित किए गए व्यावसायिक संबंध आगे चलकर बहुत फ़ायदा देंगे।

वृषभ

आज का दिन मेहनत भरा रहेगा। आज यदि नौकरी में आपको कोई अहम कार्य सौंपा जाए, तो उसमें आपको कठिन परिश्रम करना होगा, तभी आप उसे पूरा कर पाएंगे।

मिथुन

आज आप पर काम का बोझ ज्यादा रहेगा, जिसकी वजह से आप थकान महसूस करेंगे। किसी काम में अनुभवी की राय आपके लिए बेहतर साबित होगी।

कर्क

आज आपके अपनों का व्यवहार विपरीत होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों से विवाद हो सकता है। आज आपकी रोज की दिनचर्या बदल जाएगी।

सिंह

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपको अपने किसी परिजन से कोई दुखद सूचना प्राप्त होगी, जिसके कारण आप थोड़ा परेशान रहेंगे।

कन्या

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज आपको किसी पारिवारिक समारोह में जाने का मौका मिलेगा। आज आपका कॉन्फिडेंस बढ़ा हुआ रहेगा।

तुला

दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप परिवारवालों के साथ किसी ट्रिप का प्लान बना सकते हैं। आप बचत पर ध्यान दीजिए। कारोबार में नुकसान हो सकता है।

वृश्चिक

आज आप अपने अधिकारियों की आंखों का तारा बनेंगे, जिसके कारण आप अपने सभी कार्य आसानी से पूरे कर पाएंगे और अधिकारी की आज आपकी तारीफ करते नजर आएंगे।

धनु

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपको नये लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। किसी भी काम में बड़ों की सलाह लेना बेहतर रहेगा।

मकर

आज नए कार्यों का प्रारंभ कर सकेंगे। ऐसी जानकारियों को उजागर न करें जो व्यक्तिगत और गोपनीय हों। आप ज्यादा चिंता करने से बचें।

कुम्भ

आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। आज आप अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए जो भी प्रयास करेंगे, वह अवश्य पूरे होंगे।

मीन

आज आप लोगों को अपनी बातों से सहमत करने में सफल होंगे। घर पर किसी रिश्तेदार के आने से परिवार में खुशी का माहौल बनेगा। परिवार के साथ बेहतर समय बीतेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से सम्मानित होने पर भावुक हुईं वहीदा रहमान

वहीदा रहमान को मंगलवार को 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में भारतीय सिनेमा में दादा साहब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड उन्हें इंडस्ट्री में उनके अमूल्य योगदान के लिए दिया गया है। इस मौके पर वहीदा रहमान थोड़ी भावुक होती हुई भी नजर आईं। गाइड, प्यासा, साहब बीबी और गुलाम, दिल्ली-6, कागज के फूल और कई अन्य फिल्मों के लिए जानी जाने वाली वहीदा ने सेल्युलाइड पर अनगिनत यादगार किरदार निभाए हैं और उनका करियर लगभग 7 दशकों तक रहा। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर भी मौजूद रहे। वहीदा के लुक की बात करें तो इस मौके पर वह क्रीम और गोल्डन कलर की साड़ी पहनकर पहुंची थीं और उसके साथ ग्रीन कलर का नेकलेस और मैचिंग झुमके पहने हुए थे। उन्होंने अपने बालों का जूड़ा बनाया हुआ था और मिनिमल मेकअप किया था। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्रपति और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अभिनेत्री का खड़े होकर अभिनंदन किया। ऑडिटोरियम में वहीदा का एक वीडियो चलाया गया, जिसमें उनकी फिल्मों की झलकियां दिखाई गईं। वहीदा को वीडियो में यह कहते हुए देखा जा सकता है-मेरे पिता एक IAS अधिकारी थे, और व्यापक विचारों वाले थे। बचपन में मैंने डॉक्टर बनने का ख्वाब देखा था, लेकिन फिर मुझे डांस का शौक पैदा हुआ। मेरे माता-पिता ने मुझे नहीं रोका। डांस सीखने के बाद मैं फिल्मों में आ गई। उन्होंने आगे कहा, सबसे पहले मैंने 1955 में तेलुगू फिल्म रोजुलू मारायी की, जिसमें मेरा डांस सीक्वेंस था और यह सफल रही। फिर मुझे मेरी पहली हिंदी फिल्म सीआईडी (1956) मिली। गाइड मेरी पसंदीदा है, क्योंकि यह यह एक अलग किरदार है। मैं हमेशा अच्छे काम में विश्वास करती हूं और मैंने हमेशा अपने दिल की सुनी है। मैं चाहती हूं कि लोग मुझे अच्छी इंसान के रूप में याद रखें।

अल्लू अर्जुन को नेशनल अवार्ड मिलने पर पत्नी स्नेहा रेड्डी ने लुटाया प्यार

साउथ स्टार अल्लू अर्जुन को ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पुष्पा' में अपनी दमदार एक्टिंग के लिए बेस्ट एक्टर का 69वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता है। साउथ स्टार अल्लू अर्जुन का हर कोई दीवाना है। वे इस प्रतिष्ठित सम्मान को पाने वाले पहले तेलुगु एक्टर हैं। सुपरस्टार की पत्नी अल्लू स्नेहा रेड्डी भी उनके साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुईं थी। वहीं अब स्नेहा रेड्डी ने अब अपने टैलेंटेड पति की उपलब्धि पर सोशल मीडिया पर एक स्पेशल नोट लिखकर अपनी खुशी जाहिर की है। अल्लू अर्जुन को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर उनकी पत्नी स्नेहा की खुशी का ठिकाना नही है। स्नेहा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर पति अल्लू संग अपनी कुछ प्यारी तस्वीरें अपलोड की हैं जो 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के लिए जाने से पहले क्लिक की गई थीं। पहली तस्वीर में स्नेहा रेड्डी अल्लू अर्जुन को कार्यक्रम के लिए तैयार होने में मदद करती नजर आ रही हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में कपल हाथों में हाथ डाले चलता हुआ नजर आ रहा है। स्नेह रेड्डी ने पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, एक स्पेशल डे, एक यादगार याद! अपने काम के प्रति आपके कमिटमेंट को देखना हमेशा आनंददायक रहा है... प्यार और प्रशंसा से भरपूर। तस्वीर में, अल्लू अर्जुन हमेशा की तरह एक व्हाइट एथनिक सूट में हैंडसम लग रहे हैं, जिसे उन्होंने अपने सिग्नेचर पुष्पा हेयरस्टाइल और सनग्लासेस के साथ पेयर किया था। दूसरी ओर, स्नेहा रेड्डी आइवरी सिल्क सूट में बहुत खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने इसे ब्राउन कलर के दुपट्टे के साथ पेयर किया था।

बता दें कि, अल्लू और स्नेहा की पहली मुलाकात यूएस में दोस्त की शादी में हुई थी। उन्हें स्नेहा से पहली नजर में ही प्यार हो गया था। स्नेहा जानती थीं कि अल्लू एक अभिनेता हैं। यहीं पर दोनों दोस्त बने और फिर धीरे-धीरे ये दोस्ती प्यार में बदल गई। कुछ सालों के रिलेशन के बाद दोनों ने शादी करने का फैसला लिया। दोनों की जोड़ी की खास बात ये है कि भले ही स्नेहा, एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से नहीं हैं, लेकिन फिर भी वह अल्लू की प्रोफेशनल लाइफ को समझती हैं और उन्हें पूरा सपोर्ट करती हैं। दोनों के दो बच्चे अयान और अरहा हैं। अल्लू एक परफेक्ट फैमिली मैन हैं।

किंग खान अब नहीं करेंगे रोमांटिक फिल्में !

फिल्ममेकर करण जौहर के निर्देशन में बनी फिल्म कुछ कुछ होता है को 25 साल पूरे हो गए हैं। यह फिल्म 16 अक्टूबर, 1998 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में शाहरुख खान, काजोल और रानी मुखर्जी नजर आई थीं। फिल्म में इनके लव ट्रायंगल को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इस फिल्म की स्क्रीनिंग पर शाहरुख भी शामिल हुए थे और इस दौरान अभिनेता से उनके अगले लव बेस्ड फिल्म के बारे में पूछा गया, जिसके बाद अभिनेता ने अपने उत्तर से फैंस को निराश कर दिया है। करण जौहर ने स्टार कास्ट एसआरके और रानी मुखर्जी के साथ फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग में भाग लिया। शाह को Y+ सुरक्षा के साथ कार्यक्रम में पहुंचते देखा गया। पिछले सप्ताह मेगास्टार को मिली गुमनाम मौत की धमकियों के बाद यह मामला सामने आया है। इसके बाद ही शाहरुख पूरी सुरक्षा के साथ घूमते नजर आ रहे हैं।

इस स्क्रीनिंग के दौरान किंग खान से पूछा गया कि क्या अब वह लव स्टोरी बेस्ड फिल्में और करना चाहते हैं। तो इसपर अभिनेता ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि करण जौहर, आदित्य चोपड़ा, यश चोपड़ा और यश जौहर हैं, जिनकी वजह से मैं स्टार बना हूं। मैं हमेशा उनका आभारी रहूंगा, लेकिन अब मुझे नहीं पता कि मैं लव स्टोरी करूंगी या नहीं। अब जवान बच्चों को करने दो यार। अगर यश चोपड़ा, यश जौहर फिर उनके बेटे करण जौहर और आदित्य चोपड़ा मेरे दोस्त नहीं होते तो मैं आज जितना स्टार हूं उसका आधा भी नहीं होता। किंग खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो बता दें कि अप्रैल 2022 में, किंग खान और हिरानी ने एक अनोखे प्रोमो वीडियो के साथ डंकी में अपने पहले सहयोग की घोषणा की। डंकी के साथ-साथ प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म सालार भी रिलीज हो रही है। ऐसे में 22 दिसंबर को अब तक का सबसे बड़ा बॉक्स ऑफिस क्लैश देखने को मिलेगा।

अजब-गजब | हैरान कर देने वाली है वजह

महिलाओं की वजह से शख्स ने 55 साल से अपने को ही कैद कर रखा है घर में

मर्द और औरत से मिलकर ही परिवार चलता है। मर्द, औरतों की खूबसूरती की तरफ आकर्षित होते हैं। दोनों को एक दूसरे का साथ अच्छा लगता है। हालांकि कई लोग ऐसे भी हैं, जो उम्रभर शादी नहीं करते लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें औरतों का साथ पसंद नहीं होता। लेकिन अगर किसी व्यक्ति को औरतों से एलर्जी हो तो। सोशल मीडिया पर एक ऐसे ही व्यक्ति की कहानी सुर्खियां बटोर रही है। इस शख्स को औरतों से एलर्जी है।

सोशल मीडिया पर एक ऐसे ही ब्रम्हचारी की खूब चर्चा हो रही है। इस शख्स का नाम कैलिटेक्स नजमुईता है। इस शख्स ने आजतक महिलाओं से कभी सम्पर्क नहीं किया। 71 वर्षीय इस शख्स ने अपने घर के चारों तरफ 15 फीट का एक फेन्स बना रखा है। वह खुद को इसी फेन्स के अंदर कैद करके रखता है। दरअसल, कैलिटेक्स को महिलाओं से डर लगता है। इस कारण ही उसने खुद को अपने घर में कैद कर रखा है ताकि उसे किसी महिला से मिलना ना पड़े।

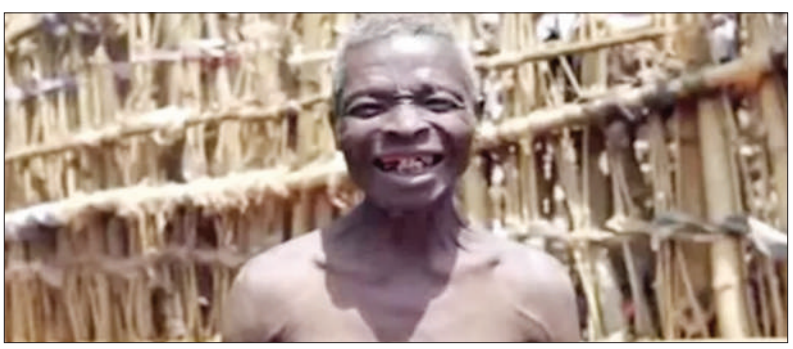

कैलिटेक्स अब 71 साल का हो चुका है, उसने कभी किसी महिला से सम्पर्क नहीं किया। ना तो उसने शादी की और ना ही कोई उसकी प्रेमिका है। उसे महिलाओं से काफी डर लगता है। महिलाओं को दूर रखने के लिए उसने अपने घर के चारों तरह पंद्रह फीट की एक दीवार बना रखी है। पिछले 55 साल से वह घर के अंदर ही कैद रहता है। कैलिटेक्स को महिला और पुरुष के बीच के रिश्ते से ही डर लगता है। उसने बीते पचपन साल से बाहर की दुनिया नहीं देखी है।

कैलिटेक्स का कहना है कि जब वो छोटा था और घर पर कोई महिला आती थी तो उसे काफी डर लगता था। उसने अपने इस डर को खत्म करने के लिए समस्या से दूरी बनाने का फैसला किया। उसने खुद को महिलाओं से बिलकुल कट ऑफ कर लिया। लेकिन जिस महिला से उसे डर लगता है, उनकी वजह से ही कैलिटेक्स जिंदा भी है। उसके गांव की महिलाएं ही उसके लिए राशन ले कर आती हैं। साथ ही ये समझते हुए कि कैलिटेक्स को उनसे डर लगता है, कोई भी महिला उसके घर के अंदर जाने की कोशिश नहीं करती।

दुनिया का सबसे भूतिया पार्क, बच्चों की हो गई थी मौत, खुदाई की तो उड़ गए सबके होश

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं, जिन्हें शापित माना जाता है। ये जगहें इतनी डरावनी होती हैं कि यहां पर जाने की किसी की हिम्मत नहीं होती। ऐसा ही एक एम्यूजमेंट पार्क भी है, जिसे शापित बताया जाता है। इस जगह को दुनिया की सबसे डरावनी जगहों में से एक बताया जाता है। यह एम्यूजमेंट पार्क कई सालों से वीरान पड़ा है। इसे भूतिया करार दे दिया गया है। इस डरावने एम्यूजमेंट पार्क का नाम शॉनी एम्यूजमेंट पार्क है और यह अमरीका में स्थित है। यह भूतिया और डरावना पार्क अमरीका के वेस्ट वर्जीनिया राज्य के प्रिंसटन शहर में है। बताया जाता है कि इस पार्क में 6 बच्चों की मौत हो गई थी। इसके बाद से इस एम्यूजमेंट पार्क में किसी का भी आना जाना नहीं है। इसके कई सालों बाद पार्क को भूतिया भी करार दे दिया गया था। वहीं खुदाई करने वालों को पता चला कि यहां पर एक कब्रिस्तान भी बना हुआ है। द सन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, शॉनी झील के किनारे बने इस पार्क को पहली बार 1926 के दशक में खोला गया था। इसे बिजनेसमैन कॉनली स्निडो ने खोला था। इसके बाद ये एम्यूजमेंट पार्क 1988 में बंद भी हो गया था। अब जिस जगह ये पार्क स्थित है, उसे शापित भूमि बताया गया, जिसके चलते काफी डरावनी कहानियां यहां के बारे में मशहूर हैं। इस एम्यूजमेंट पार्क के बारे में कई कहानियां बताई जाती हैं। बताया जाता है कि यहां कुछ बच्चों की मौत हो गई थी। यहां एक बच्चा स्विमिंग पूल में डूब गया था। इसके बाद पूल को मिट्टी से ढक दिया गया। वहीं पार्क में एक 3 साल की बच्ची को एक लिफ्ट ने कुचल दिया था। इसके बाद एक लड़के की झूला झूलते वक्त मौत हो गई थी। 1934 में एक महिला को पार्क के ठीक बाहर गोली मार दी गई थी। इस तरह की अन्य भी अजीबोगरीब घटनाएं घटी थीं, जिसके चलते ये पार्क हमेशा के लिए बंद कर दिया गया। बताया जाता है कि पार्क बंद होने के 20 साल बाद यहां खुदाई की गई। खुदाई में काफी चौंकाने वाली बातों का पता चला। दरअसल, यहां खुदाई में 13 शव मिले, जिनमें से अधिकतर छोटे बच्चों के ही थे। इसके बाद जब टीम को और खुदाई करने पर ज्यादा कब्रें मिलने लगीं तो खुदाई का काम बंद कर दिया गया। इसके बाद एक ट्रैवल चैनल ने इसे अमेरिका की सबसे डरावनी जगहों में से एक बताया।

कांग्रेस में लोकतंत्र है, अपने बारे में सोचें शिवराज : कमलनाथ

» कसा तंज - दिल्ली वाला इंजन भोपाल के इंजन को पटरी से उतारने को अमादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के पीसीसी चीफ कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज पर तंज कसा। उन्होंने भाजपा के बहुप्रचारित डबल इंजन सरकार पर ताना कसते हुए कहा कि दिल्ली वाला इंजन भोपाल के इंजन को पटरी से उतारने कमर कस चुका है।

दरअसल, कमलनाथ ने पावर ऑफ अटॉर्नी वाले बयान पर शिवराज सिंह चौहान की प्रतिक्रिया पर पलटवार करते हुए यह बात कही। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा, शिवराज जी, कांग्रेस में इतना लोकतंत्र है कि हम आपस में हंसी मजाक कर लेते हैं। आपको हमारी फिक्र करने की बहुत जरूरत नहीं है, लेकिन आपकी पार्टी में तो हाल यह है कि कोई आपका नामलेवा भी नहीं है। आपने ऐसे कौन से कर्म किए हैं कि आपकी पार्टी को आपको मुख्यमंत्री के रूप में पेश करने में शर्म आ रही है। जरा सावधानी से काम लीजिए दिल्ली वाला इंजन आपके भोपाल के इंजन को पटरी से उतारने के लिए कमर कस चुका है। जैसे आपने स्मार्ट पार्क में बिना पटरी वाला मेट्रो का डिब्बा रखा है, भोपाल के इंजन का भी वही हाल होने वाला है। जो सफर के नहीं, नुमाइश के काम आएगा। कांग्रेस के टिकट वितरण को लेकर दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के बीच नोंकझोंक सामने आई थी।

इस पर कमलनाथ ने हंसी मजाक करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह से मेरे पारिवारिक रिश्ते हैं। मैंने इनको अपने लिए गाली खानी की पावर ऑफ अटॉर्नी दे रखी है।

जो एक दूसरे के कपड़े फाड़ रहे वो जनता का क्या करेंगे : सिंधिया

मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच कपड़ा फाड़ को लेकर हुए टिप्पणियों पर सियासत जारी है। अब केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इसे लेकर कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ये एक दूसरे के कपड़े फाड़ रहे तो सोचो जनता का क्या हाल करेंगे। सिंधिया ने कहा कि अगर दो लोगों के बीच इस स्थिति पर चर्चा हो रही है तो सोचिए अगर इनके हाथ में शासन आ जाए तो जनता का क्या हाल होगा। कांग्रेस पार्टी द्वारा जारी किए गए वचन पत्र पर उन्होंने कहा कि वचन पत्र इतनी बड़ी गहरी खाई है कि कांग्रेस की वचन की लिस्ट लगातार लंबी होती जा रही है, लेकिन कभी पूरी नहीं होती। मेनिफेस्टो बनाना और लुभावने मुद्दों को उसमें डालना आसान है, लेकिन वचन निभाना कठिन है और आप जानते ही हैं कि 15 महीने के शासनकाल में उन्होंने मध्य प्रदेश की स्थिति चौपट कर दी थी। टिकट वितरण सूची के बाद कांग्रेस नेताओं के बीच मचे घमासान पर सिंधिया ने कहा कि यह उनका काम है कि हर चीज को पकड़-पकड़ कर फाड़ें, लेकिन मेरी सोच हमेशा सकारात्मक रही है। इसलिए वह अपना काम देखें और हम अपना काम देख रहे हैं, क्योंकि नकारात्मकता कांग्रेस में ही देखने को मिलती है।

नूंह हिंसा : विधायक मामन को मिली नियमित जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नूंह हिंसा मामले में अंतरिम जमानत पर बाहर आए कांग्रेस विधायक मामन खान को नूंह कोर्ट ने नियमित बेल दे दी है। मामले में एसआईटी विधायक मामन खान के मोबाइल और लैपटॉप से सबूत जुटाकर कोर्ट में पेश नहीं कर पाई। जिसके चलते कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद बुधवार शाम छह बजे अतिरिक्त सेशन जज अजय शर्मा की अदालत ने विधायक को रेगुलर जमानत दे दी। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे।

जानकारी के मुताबिक, विधायक की तरफ से महताब अहमद, ताहिर हुसैन देवला तथा ताहिर हुसैन रुपड़िया ने अदालत में अपनी दलील रखते हुए बहस की। सरकार की तरफ से स्थानीय सरकारी वकीलों के अलावा चंडीगढ़ से आए एजी (सरकारी वकील) सभरवाल ने भी काफी देर तक बहस की। एसआईटी टीम व सरकारी वकील कोई ऐसी दलील व सबूत पेश नहीं कर पाए, जिससे विधायक की आंतरिक जमानत रद्द हो सके। हालांकि एसआईटी टीम ने दावा किया था कि मामन खान के मोबाइल को डाईटेक के लिए भेजा गया है। उसमें हिंसा से संबंधित काफी सबूत मिलने की उम्मीद है। इतना ही नहीं बहस के दौरान बार-बार मामन खान को हिंसा का मास्टरमाइंड भी बताया गया।

भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन के खिलाफ जारी समन पर रोक

दिल्ली की एक कोर्ट से भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन को राहत मिल गई है। बलात्कार और आपराधिक धमकी देने का आरोप लगाने वाली महिला की शिकायत पर मजिस्ट्रेट कोर्ट ने समन जारी किया था। जिस पर रोक लगा दी है। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश के खिलाफ हुसैन की पुनरीक्षण याचिका पर आदेश पारित किया है। जिसमें उन्हें 20 अक्तूबर को कोर्ट में पेश होने के लिए कहा था। 17 अक्टूबर को पारित आदेश में न्यायाधीश ने याचिका पर शिकायतकर्ता को एक नोटिस भी जारी किया और 8 नवंबर तक जवाब मांगा।

फोटो : 4 पीएम

हाफ मैराथन दुबग्गा स्थित आईआइएम रोड पर हाफ मैराथन दौड़ का शुभारंभ केन्द्रीय मंत्री कौशल किशोर ने किया। इस मौके पर विधायक राजेश्वर सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सौम्या हत्याकांड के सभी आरोपी दोषी करार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की हत्याकांड मामले में साकेत कोर्ट ने सभी आरोपियों को दोषी करार दिया है। मकोका के तहत सजा सुनाई जाएगी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रवींद्र कुमार पांडे ने बचाव और अभियोजन पक्ष की दलीलें पूरी होने के बाद 13 अक्टूबर को मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था।

साकेत स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रवींद्र कुमार पांडे ने अपने फैसले में कहा कि पेश साक्ष्यों व गवाहों के बयानों पर यह साबित हुआ है कि आरोपी रवि कपूर, अमित शुक्ला, अजय कुमार और बलजीत मलिक ने विश्नाथन से लूटपाट करने के इरादे से हत्या की थी। उन्हें धारा 302 और 34 के तहत दोषी ठहराया गया है। उन्हें मकोका के तहत भी दोषी ठहराया गया है। अदालत ने पांचवें आरोपी अजय सेठी को आपत्तिजनक वाहन को अपने पास रखने के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 411 के तहत दोषी ठहराया है। अदालत ने फैसला सुनाया कि उसने संगठन को मदद भी की और संगठित अपराध से अर्जित संपत्ति पर भी कब्जा किया और उसे भी मकोका के तहत दोषी ठहराया गया है। सितंबर 2008 में दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में पत्रकार की हत्या कर दी गई थी। वसंत कुंज के नेल्सन मंडेला मार्ग पर उनकी कार में गोली मारकर हत्या कर दी गई। विश्वनाथन एक निजी चैनल के साथ काम करते थे। 28 सितंबर, 2008 को काम से घर लौटते समय उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने दावा किया था कि उसकी हत्या के पीछे का मकसद लूटपाट था। पांच लोगों रवि कपूर, अमित शुक्ला, बलजीत मलिक, अजय कुमार और अजय सेठी को उसकी हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और मार्च 2009 से हिरासत में हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सख्त महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) लगाया था।

» मकोका के तहत सजा सुनाई जाएगी

विश्वकप : कीवी टीम ने लगाया जीत का चौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने वर्ल्ड कप 2023 में जीत का चौका लगाया है। चेन्नई में खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 149 रन से शिकस्त दी। हार के बाद निराश अफगानिस्तान के कप्तान हश्मतुल्लाह शहीदी ने कहा कि हमारी फील्डिंग बहुत खराब रही। न्यूजीलैंड की शुरुआत ठीक नहीं रही। 34 के स्कोर पर ही डेवोन कॉनवे का विकेट गंवा दिया। विल यांग और रचिन रवींद्र ने टीम को संभाला और स्कोर को 100 के पार ले गए।

यांग ने 54 रन की पारी खेली। वहीं, रवींद्र 32 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। कप्तान लेथम ने 68 रन की पारी खेली। वहीं, फिलिप्स ने 71 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने कुल 288 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की टीम ने 139 रन बनाए। सबसे ज्यादा रहमत शाह ने 36 रन की पारी खेली।

अजमतउल्लाह ओमरजाई ने 27 रन का योगदान दिया। इकराम 19 रन बनाकर अंत तक नाबाद रहे। इनके अलावा कोई भी बड़ा स्कोर नहीं कर पाया। मिचेल सैंनटर और लॉकी फर्ग्यूसन को तीन-तीन विकेट मिले।

वनडे रैंकिंग में छठे पायदान पर पहुंचे भारतीय कप्तान

विश्व कप में शानदार लय में चल रहे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर सेजारी नवीनतम रैंकिंग में पांच स्थान के सुधार के साथ बल्लेबाजों की सूची में छठे पायदान पर पहुंच गये हैं। रोहित ने अफगानिस्तान के खिलाफ 131 रन की आक्रामक पारी खेलने के बाद चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 63 गेंद में 86 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक लगातार दो शतकीय पारियों (श्रीलंका के खिलाफ 100 और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 109) के बाद छठे से तीसरे स्थान पर पहुंच गये। उन्होंने टीम के साथी खिलाड़ी रासी वैन डर डुसेन को चौथे स्थान पर खिसका दिया। डिकॉक इस सूची में और ऊपर चढ़ने में नाकाम रहें क्योंकि नीदरलैंड के खिलाफ वह महज 20 रन की पारी ही खेल सके। इस सूची में बड़ा सुधार करने वालों में अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज (19 स्थान के सुधार के साथ 18वें पायदान) और नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स (16 स्थान के सुधार के साथ 27वें पायदान पर) शामिल है।

149 रनों से न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को रौंदा

अयोध्या से लेकर झांसी तक अपराधों का बोलबाला

योगी सरकार की कानून-व्यवस्था पर उठ रहे सवाल, बीजेपी विधायक के बेटे की दबंगई, पुलिस को दी गाली, अयोध्या में सहायक पुजारी की खून से सनी लाश मिली, बुजुर्ग व युवती की कानपुर में निर्मम हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी में कानून व्यवस्था में योगी सरकार फेल होती जा रही है। पीएम नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी की ड्रीम प्रोजेक्ट रामनगरी में भी पुलिस की व्यवस्था फेल हो गई है वहां पर हनुमान गढ़ी में एक महंत की खून से सनी लाश मिली है तो झांसी में भाजपा के विधायक की दबंगई सामने आई है। उसने सत्ता के नशे में सरकारी कर्मचारियों व पुलिस वालों के साथ अभद्रता की है।

वहीं एक अन्य घटना में कानपुर देहात के अमरौधा कस्बे में सेवानिवृत शिक्षक और साथ रह रही युवती पर देर रात कुछ लोगों ने चाकुओं से हमला कर दिया। चीख सुन उठे बुजुर्ग पिता भी वार कर दिया। हमले में युवती व बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि शिक्षक की हालत गंभीर है।

अयोध्या : हनुमानगढ़ी के पुजारी की गला रेतकर हत्या

रामनगरी स्थित हनुमानगढ़ी के सहायक पुजारी राम सहारे दास की हत्या कर दी गई। उनका शव हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों के बगल बने उनके कमरे में पाया गया। उनका गला रेता हुआ था। कमरे में उनके साथ तीन साधु और रहते थे, जिसमें से दो फरार हैं। हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। आइजी रेंज प्रवीण कुमार और एसएसपी राजकरन नय्यर ने घटनास्थल का जायजा लिया। वहां लगा सीसीटीवी कैमरा कई दिनों से बंद मिला है। मृतक हनुमानगढ़ी के साकेतवासी महंत दुर्बल दास के शिष्य थे। घटना की जानकारी गुरुवार की सुबह हुई। उनके कमरे का दरवाजा काफी देर तक न खुलने पर लोगों को आशंका हुई। साधुओं का कहना है कि हनुमानगढ़ी में साधु भोर में ही उठ जाते हैं। राम सहारे दास का कमरा बंद देख एक साधु ने धक्का दिया तो दरवाजा खुल गया। अंदर शव देख साधु से अन्य को जानकारी दी। राम सहारे दास बसंतिया पट्टी से जुड़े थे। थाना प्रभारी मणिशंकर तिवारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि राम सहारे दास का अंबेडकरनगर के भीटी में जमीनी विवाद चल रहा है। मृतक मूलरूप से संतकबीरनगर के कांटा निवासी थे।

कानपुर देहात : बुजुर्ग और युवती की चाकू से गोदकर हत्या

कानपुर देहात के अमरौधा कस्बे में सेवानिवृत शिक्षक और साथ रह रही युवती पर देर रात कुछ लोगों ने चाकुओं से हमला कर दिया। चीख सुन उठे बुजुर्ग पिता भी वार कर दिया। हमले में युवती व बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि शिक्षक की हालत गंभीर है। पुलिस अधिकारी मौके पर जांच पड़ताल कर रहे हैं। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के अमरौधा निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक विमल द्विवेदी, उनके पिता रामप्रकाश (83) और घर में रह रही युवती खुशबू (30) पर रात में चाकुओं से हमला किया गया। इसमें रामप्रकाश और खूशबू की मौत हो गई। विमल द्विवेदी को इलाज के लिए कानपुर ले जाया गया है। बेटा ललित द्विवेदी पत्नी के साथ नागपुर में रहकर सर्विस करता है। विमल की पत्नी मुन्नी द्विवेदी मायके रूरा गई हुई हैं। विमल तारनपुर निवासी खुशबू को पढ़ाते थे। उसी के साथ रहते थे। युवती से शादी किए जाने की चर्चा होने पर घर में विवाद भी चल रहा था। डबल मर्डर की जानकारी पर एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति, एएसपी राजेश पांडेय पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। लोगों ने पुलिस को बताया कि विमल और खुशबू में संबंध थे। इसका परिवार के लोग विरोध कर रहे थे। कई बार समझाया भी गया।

झांसी : बालू घाट के कर्मचारियों से की मारपीट, सत्ता के दबाव में पुलिस कार्रवाई की जगह मामले को छुपाने में लगी

झांसी के ककरवई थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले खरवांच बालू घाट में खूनी संघर्ष देखने को मिला। जहां बालू माफियाओं द्वारा बालू के उठान को लेकर बहसा-बहसी हो गई, दो दर्जन से अधिक असलहों के साथ घाट पर पहुंचे बीजेपी विधायक के बेटे ने वहां मौजूद लोगों के साथ लाठी डंडों से जमकर मारपीट की। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जब रोका तो सत्ता के नशे में चूर गरोठा विधायक के पुत्र पुलिस से ही भिड़ गया और असभ्य भाषा का उपयोग करने लगा. इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, सत्ता के दवाब के चलते पुलिस कार्रवाई की जगह मामले को छुपाने में लगी है। इस घटना को लेकर बालू घाट पर मौजूद कर्मचारी ने बताया कि लगभग दो दर्जन से अधिक असलहा धारियों के साथ जवाहर राजपूत गरोठा विधायक का बेटा आया और टोकन लूटने का प्रयास करने लगा. जब कर्मचारी ने इसका विरोध किया तो जमकर मारपीट की और तोड़फोड़ किया. यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। जिसके बाद सीसीटीवी कैमरे को भी तोड़ डाला। वहीं, घटना की सूचना पर पहुंचीं पुलिस ने जब मामले को शांत कराया और दोनो पक्षों को थाने लाई तो थाना प्रभारी के कार्यालय के बाहर विधायक के पुत्र पुलिस को कानून का पाठ पढ़ाते हुए अभद्र भाषा का व्यवहार करते हुए नजर आए, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

फोटो:4 पीएम

मांग लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र संघ बहाली को लेकर धरना चौथे दिन भी जारी आज छात्रों ने खून से मुख्यमंत्री को लिखा पत्र।

जियाउल हक हत्याकांड की सीबीआई जांच फिर शुरू

» टीम ने देखा घटनास्थल दो लोगों से पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर कुंडा के सीओ रहे जियाउल हक हत्याकांड की फिर से जांच करने सीबीआई टीम प्रतापगढ़ पहुंची। घटना स्थल बलीपुर गांव का निरीक्षण किया और दो लोगों से पूछताछ भी की। पांच सदस्यीय टीम सबसे पहले पुलिस लाइन पहुंचीं, जहां से कार द्वारा बलीपुर रवाना हुई।

सूत्रों के अनुसार बलीपुर चौराहे पर पहुंची टीम के सदस्य कार से नीचे नहीं उतरे। क्योंकि चौराहे पर बुधवार को गांव की बाजार लगती है, जिससे वहां भारी भीड़ थी। कार में बैठे-बैठे ही घटनास्थल देखा। करीब दो घंटे तक गांव में घूमने के बाद टीम ने गांव

के ही दो लोगों से पूछताछ भी की। इसके बाद वापस हथिगवां थाने पहुंचकर कुछ जानकारी जुटाई। इसके बाद मुख्यालय लौट गई। हथिगवां के बलीपुर में 2 मार्च 2013 को प्रधान नन्हें यादव उसके भाई सुरेश यादव और कुंडा सीओ जियाउल हक हत्याकांड में दर्ज चार मुकदमों की सीबीआइ ने एक साथ विवेचना करते हुए न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किए थे। जांच के दौरान सीबीआई ने आरोपी कुंडा विधायक राजा भैया, गुलशन यादव समेत उनके चार सहयोगियों के खिलाफ क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी। वर्ष 2014 में ट्रायल कोर्ट ने क्लोजर रिपोर्ट खारिज करते हुए जांच जारी रखने के लिए कहा था। इस आदेश पर बाद में हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी।

प्रयागराज में कैंप कार्यालय बनाने की हो रही चर्चा

सीओ जियाउल हत्याकांड में राजा भैया व उनके सहयोगियों की भूमिका की जांच करने करने आई सीबीआई टीम ने प्रयागराज में कैंप कार्यालय बनाएगी। इस बात की चर्चा पुलिस महकमे में होती रही। पूर्व में जांच करने आई सीबीआई ने कुंडा नगर पंचायत कार्यालय को अपना कैंप कार्यालय बनाया था। टीम आने के पहले ही कैंप कार्यालय में जांच से जुड़े सभी संसाधन मुहैया कराए गए थे। सूत्रों के अनुसार सीबीआई ने पुलिस व जिला प्रशासन से किसी प्रकार का सहयोग अभी तक नहीं मांगा है।

विनाशकारी साबित होगा नया युद्ध : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि गाजा युद्ध में भी भारत को अपने पुराने स्टैंड पर कायम रहना चाहिए। भारत अपनी आजादी के बाद से ही विश्व में शान्ति, सौहार्द, स्वतंत्रता के लिए और नस्लभेद आदि के विरुद्ध अति गंभीर व सक्रिय रहा है। उन्होंने कहा कि रूस यूक्रेन युद्ध के साथ ही कोई नया युद्ध मानवता के लिए विनाशकारी साबित होगा।

उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि यूक्रेन युद्ध को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने जब यह कहा कि दिस इज नॉट एन इरा ऑफ वार अर्थात आज का युग युद्ध का नहीं है तो इसकी प्रशंसा पश्चिमी नेताओं ने खूब की। अब गाजा युद्ध को लेकर भी भारत को अपने इस स्टैंड पर ऐसी मजबूती से खड़े रहने की जरूरत है, जो सबका अनुभव है। युद्ध दुनिया में कहीं भी हो आज के ग्लोबल वर्ल्ड में अधिकतर देशों की अर्थव्यवस्था एक-दूसरे पर काफी हद तक जुड़ी है और निर्भर है। यूक्रेन युद्ध लगातार जारी है और दुनिया इससे प्रभावित है इसीलिए विश्व में कहीं भी नया युद्ध मानवता के लिए कितना विनाशकारी होगा इसका अन्दाजा लगाना मुश्किल नहीं है।

न्यूजक्लिक मामले में दिल्ली पुलिस को 'सुप्रीम' नोटिस

» संस्थापक पुरकायस्थ की याचिका पर कोर्ट में हुई बहस अब 30 को होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूएपीए के तहत दर्ज मामले में गिरफ्तार न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और इसके एचआर हेड अमित चक्रवर्ती द्वारा दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने आज सुनवाई की। अदालत ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया। साथ ही मामले की अगली सुनवाई के लिए 30 अक्टूबर की तारीख तय की।

पुरकायस्थ और चक्रवर्ती की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और देवदत्त कामत ने पीठ से कहा कि वे जेल में बंद हैं। इसलिए मामले पर जल्द सुनवाई की जाए। इस पर न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया और 30 अक्टूबर तक जवाब मांगा। इससे पहले, शीर्ष अदालत 16 अक्टूबर को मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने पर सहमत हो गई थी। गौरतलब है कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने दोनों को ही दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा द्वारा दर्ज यूएपीए मामले में उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। इसके बाद ही दोनों सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।